Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
D.B. college Jaynagar
Dept. of - Psychology

Study material
B.A. Part-1 (H)
Date - 18-04-2020

लघुकालीन स्मृति ~~MEMO~~

लघुकालीन स्मृति में रिहर्सल
रिहर्सल शब्द का अर्थ है मन (Rehearsal) ही मन उद्दीपन या सूचनाओं पर ध्यान देते हुए दोहराना। रिहर्सल से STM में धारण की गई सूचनायें अधिक मजबूत हो जाती हैं, जिससे उसके प्रत्याह्वान करने की सम्भावना तीव्र हो जाती (Recall) है। ग्रीमिन ने कहा कि रिहर्सल के कारण ही STM से सूचनायें दीर्घकालीन स्मृति में स्थानांतरित होती है। (Long term memory LTM) में होने वाली रिहर्सल दो प्रकार की STM होती है जिसमें व्यक्ति सूचना सिर्फ मन में ही रखता है और उनका STM से LTM में स्थानांतरण सम्भव हो जाता है।

(3.) दीर्घकालीन स्मृति (Long-term memory) -
LTM का अर्थ ऐसे स्मृति संचयन से होता है जिसमें सूचनाओं को व्यक्ति काफी लम्बे समय तक रखता है, इस स्मृति की नई समय-सीमा 20-30 सेकेण्ड से लेकर जीवन भर तक की हो जाती है।
LTM का संचयन क्षमता काफी अधिक होता है, क्योंकि सूचनायें STM से होकर LTM के कई नामों से

जाना जाता है।
क्योंकि सूचनायें STM से होकर LTM तक पहुँचती है।

LTM की विशेषतायें की गई (Characteristics) -
LTM की विशेषतायें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं -

(i) LTM में संचित सूचनायें संक्षेप रूप से (Relatively) स्थायी होती हैं।

(ii) LTM में संचित सूचनायें मौलिक उद्दीपन से प्राप्त सूचनाओं से थोड़ा भिन्न होता है, क्योंकि सूचनायें का कूट संकेताक्षरण होता है।

(iii) LTM में दृष्टि सामग्रियों की परिशुद्धता अधिक पायी जाती है।

(iv) LTM में सूचनायें संगठित एवं सहप्रायंता ढंग से संचित की जाती हैं।

टुलविंग (Tulving, 1962) ने LTM के दो भागों में विभक्त किया है -

(1) प्रासंगिक स्मृति (Episodic memory) - प्रासंगिक स्मृति में ऐसी व्यक्तिगत सूचनायें संचित होती हैं जो स्थायी व्यक्त: जगत होता है। विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत घटनायें संचित होती हैं इस

अर्थगत स्मृति (Sematic memory) - इस स्मृति में व्यक्ति स्मृति शब्दों के बारे में एक क्रमबद्ध ज्ञान होता है अर्थगत स्मृति के कुछ उदाहरण हैं जैसे: और भी अनेक रूप से जल H_2O, O_2 का सबसे अधिक उदाहरण है।

प्रासंगिक स्मृति तथा अर्थगत स्मृति को सामूहिक रूप से घोषणात्मक स्मृति (Declarative memory) या स्पष्ट स्मृति (Explicit memory) भी कहा जाता है, क्योंकि इस स्मृति में तथ्यों के रूप में प्रकट कर उनकी घोषणा की जाती है।

LTM का अन्य प्रकार अघोषणात्मक स्मृति, जिनकी तथ्यों के रूप में घोषणा नहीं की जा सकती है।

End.

Dr. Sunil Kr. Suman.

Scanned with CamScanner